नारायण मूर्ति ने कहा- हम स्मार्ट सिटी से कोसों दूर हैं

मुंबई (ए.)। इंफोसिस के सह संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने कहा है कि स्मार्ट सिटी विकसित करने के लक्ष्य को साकार करने से देश 'बहुत, बहुत दूर' है। स्मार्ट सिटी विकसित करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। यह पूछे जाने पर कि गुरुवार शाम यहां 'सिटी सिस्टम' पर घंटे भर के लेक्चर के दौरान उन्होंने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का जिक्र क्यों नहीं किया, मूर्ति ने कहा कि चूंकि स्मार्ट सिटी विकसित करने से हम बहुत, बहुत दूर हैं, इसलिए उन्होंने इस बारे में बात नहीं की। उन्होंने कहा, ''मैं करने में यकीन रखता हूं, मैं सिर्फ बातें नहीं करता।''

दिल्ली में फुल डे रिहर्सल के लिए 13 अगस्त को यातायात प्रतिबंध

नई दिल्ली (ए.)। राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान और 13 अगस्त को फुल डे रिहर्सल के दिन लाल किले के आसपास यातायात प्रतिबंध रहेगा। करीब आधा दर्जन सड़कें बंद रहेंगी जबकि कुछ अन्य के मार्ग बदले जाएंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) गरिमा भटनागर ने बताया कि छह सड़कों- नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निशाद राज मार्ग और एस्प्लानादे रोड और उसके लिंक रोड दोनों दिन सुबह पांच बजे से नौ बजे तक सामान्य जनता के लिए बंद रहेंगे। रिहर्सल पार्किंग के स्टिकर के बिना आने वालों वाहनों को तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, सुभाष मार्ग, जेएल नेहरू मार्ग और रिंग रोड (निजामुद्दीन पुल से आईएसबीटी पुल तक) से बचना होगा और वैकल्पिक रास्ते से जाना होगा। 13 अगस्त को सुबह पांच से नौ बजे तक डीटीसी और अन्य स्थानीय बसें हुमायू सेतु से भैरों रोड टी प्वाइंट तक नहीं चलेंगी, उन्हें दूसरे रास्ते से जाना होगा। लाल किला, जामा मस्जिद और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन होकर जाने वाली बसों का रास्ता बदला जाएगा या फिर उन्हें रोका जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस पर रेलगाड़ी के इंजनों पर तिरंगा लहराएगा

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेल इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह नए अंजाद में मना रही है। रेलवे इस अवसर पर सभी रेलगाड़ियों के इंजनों पर तिरंगे का स्टीकर लगा रही है। ट्रैक्शन के सदस्य अश्वनी कुमार कपूर ने कहा, ''यह पहली बार है जब 10,000 से ज्यादा लोकोमोटिव (इंजन) पर राष्टीय ध्वज होगा। निर्देश इस महीने के शुरूआत में जारी कर दिए गए थे। हमारे डीजल और बिजली से चलने वाले इंजन पर 4,500 मिलीमीटर लंबा और 3,000 मिलीमीटर चौड़ा आकार का स्टीकर लगेगा।'

पाक चाहे कितने पत्र लिख लें, आतंकवाद छिपा नहीं पाएगा: भारत

नई दिल्ली (ए.)। जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के संयुक्त राष्ट महासचिव को लिखे गए पत्र पर भारत ने आज कहा कि वे चाहे जितने पत्र लिख लें, पर सीमा पर आतंकवाद को दुनिया से छिपा नहीं पाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विकास स्वरूप ने यहां कहा कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति से जुड़े किसी भी पहलू से पाकिस्तान का कोई वास्ता नहीं है सिवाय सीमा पार आतंकवाद, घुसपैठ तथा भारत में आतंकवाद एवं हिंसा को भड़काने के। स्वरूप ने कहा कि पाकिस्तान और उसके नेताओं द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार का मुकाबला करने और दुनिया के सामने सही तस्वीर रखने के लिए सरकार प्रमुख वार्ताकारों के माध्यम से द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि चाहे कितने भी पत्र लिखे जाएं, पर उनसे सीमा पार आतंकवाद को छिपाया नहीं जा सकेगा।

सड़क हादसों पर एससी की केंद्र को फटकार, लगाया 25 हजार रुपए जुर्माना

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं के मामले में जवाब दाखिल न करने पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई है। चीफ जस्टिस ने केंद्र को कहा, एक साल से अधिक समय हो गया और आपने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है, क्या यहां पर पंचायत चल रही है। इसके बाद अटॉर्नी जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिलाया कि तीन सप्ताह के भीतर सरकार की ओर से जवाब दाखिल कर दिया जाएगा। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

उछल कर बाहर निकल आई बच्चे की आंखें, डॉक्टर हैरान

नई दिल्ली (ए.)। दुनिया में बहुत सारे लोग अजीबोगरीब बीमारियों के शिकार हैं। बीमारियों की वजह से लोग उन्हें अजीब सी नजरों से देखते हैं। कुछ ऐसी ही खतरनाक बीमारी से जूझ रहा है 4 साल का ये बच्चा, जिसका नाम सागर है। इस बच्चे को एक अजीबोगरीब बीमारी है। इस बीमारी के कारण उसकी आंखों से पहले तो खून निकलना शुरू हो गया और बाद में उसकी आंखें बाहर ही निकल आई। सागर की इस बीमारी से डॉक्टर्स भी हैरान हैं। उनको भी यह समझ नहीं आ रहा है आखिर बच्चे को बीमारी क्या है। अब सागर की आंखों की रौशनी पूरी तरह से जा चुकी है, लेकिन इसके मां-बाप उसकी आंखों को टेस्ट करवाने का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और उसका इलाज करवाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

सिद्धू को पाले में खींचने के लिए कांग्रेस ने सब कुछ झोंका

नई दिल्ली (ए.)। क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की 'आप' में एंट्री में कुछ विलंब हुआ तो कांग्रेस ने उन्हें पाले में खींचने के लिए सब कुछ झोंक दिया है लेकिन सिद्धू से जुड़े सूत्रों की मानें तो वह कांग्रेस में नहीं जाएंगे। यह एकदम पक्का है। वहीं कांग्रेस के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी समेत पंजाब में पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं के दबाव व सलाह के बाद कैप्टन अमरेंद्र सिंह पिछले 2 सप्ताह से सिद्धू के पूरे संपर्क में हैं। पंजाब में कांग्रेस के सभी नेता चाहते हैं कि सिद्धू को किसी तरह आम आदमी पार्टी में शामिल होने से रोका जाए। दिल्ली में कांग्रेस के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि सिद्धू से बात करने के लिए कैप्टन को पूरी छूट दी गई है। ऐसे संकेत हैं कि कैप्टन ने पिछले सप्ताह में सिद्धू को कांग्रेस के करीब लाने और उन्हें आम आदमी पार्टी में जाने से रोकने की भरपूर कोशिशें कीं, साथ ही उन्होंने तमाम बातों से केंद्रीय नेताओं को भी अवगत करवा दिया। पंजाब की राजनीति के लिहाज से सिद्धू को कांग्रेस में लाने के लिए सबसे ज्यादा फीडबैक कांग्रेस के प्रमुख रणनीतिकार प्रशांत किशोर की ओर से सोनिया व राहुल को दिया गया। पंजाब कांग्रेस में अमरेन्द्र विरोधी खेमा तो सिद्धू को कांग्रेस में लाने के लिए उनकी हर शर्त को मानने की वकालत 3 सप्ताह से कर रहा था लेकिन कैप्टन इस बात पर कतई समझौता करने को तैयार नहीं हैं कि सिद्धू को मुख्यमंत्री पद की पेशकश हो। जाहिर है कि कैप्टन 'सी.एम.' पद के अलावा बाकी बातों पर सिद्धू के लिए हर मैदान छोडऩे को तैयार हैं। कैप्टन व सिद्धू के बीच सबसे बड़ा कनैक्शन पटियाला का मूल निवासी होना है।

रीटेलर्स एसोसिएषन ऑफ इण्डिया के दिल्ली रीटेल सम्मेलन २०१६ ने खुदरा विक्रेताओं को 'एनीटाईम, एनीवेयर रीटेल' पर विस्तृत चर्चा का मौका प्रदान

नई दिल्ली : भारत में खुदरा विक्रेताओं की षीर्शस्थ संस्था रीटेलर्स एसोसिएषन ऑफ इण्डिया ने आज 'एनीटाईम, एनीवेयर रीटेल' विशय पर दिल्ली रीटेल सम्मेलन २०१६ का आयोजन किया। सम्मेलन में भारतीय खुदरा उद्योग के मुख्य नीति निर्माताओं ने हिस्सा लिया तथा आज के युग के २४७ डिजिटल उपभोक्ताओं को उत्कृश्ट सेवाएं प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की।

आज उपभोक्ता के पास खरीदने की क्षमता है, उन्हें वही चाहिए जो वे चाहते हैं, जहां चाहते हैं और जब चाहते हैं। खुदरा विक्रेताओं के पास भी कोई विकल्प नहीं है, उन्हें बाज़ार हिस्सेदारी खोने के जोखिम पर भी सेवाएं उपलब्ध करानी पड़ती हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने साबित कर दिया है कि उपभोक्ता किसी भी समय किसी भी स्थान पर सेवाएं उपलब्ध कराने वाले खुदरा विक्रेताओं को ज़्यादा कीमत चुकाने के लिए भी तैयार हैं। ''भारतीय खुदरा बाज़ार के प्रमुख गेटवे के रूप में दिल्ली प्रमुख केन्द्र है जहां कई अग्रणी खुदरा विक्रेता, सेवा प्रदाता और नीति निर्माता मौजूद हैं। ऐसे में दिल्ली रीटेल सम्मेलन जैसे प्लेटफॉर्म के लिए यह आदर्ष मंच है जो खुदरा में महत्वपूर्ण मुद्दों और रुझानों पर चर्चा के मार्ग प्रषस्त करता है। 'एनीटाईम, एनीवेयर रीटेल' स्पश्ट रूप से समय की मांग है और डीआरएस २०१६ इस लक्ष्य को हासिल करने की यात्रा में खुदरा विक्रेताओं की मदद करेगा, उन्हें इस विशय पर अपने दृश्टिकोण प्रस्तुत करने तथा विचारों के आदान-प्रदान का अवसर देगा।'' सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा।

राजनाथ बोले, कलेजे पर हाथ रख बताइए क्या बढ़े हैं दलितों पर हमले, भर दूंगा सोने से झोपड़ी

नई दिल्ली (ए.)। दलितों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है कि भाजपा सरकार के दौरान दलितों पर उत्पीड़न बढ़े हैं जबकि 55 वर्ष तक देश पर कांग्रेस का शासन रहा और उस दौरान दलितों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास की चिंता की गई होती तब आज ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। मंत्री ने कहा कि गौरक्षा या किसी अन्य विषय के नाम पर दलितों या किसी का भी उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी और वह राज्य सरकारों से भी इस बारे में आग्रह करते हैं।

लोकसभा में इस मसले पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि देश में वसुधैव कुटुंबकम की भावना है। दलित मसले पर किसी भी सूरत में राजनीति नहीं होनी चाहिए। सदन में गृह मंत्री के बयान के दौरान कांग्रेस सांसदों ने पहले जहां विरोध में शोर मचाया, वहीं बाद में सदन से वाकआउट भी किया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कलेजे पर हाथ रखकर पूछिए कि क्या वाकई दलितों पर उत्पीड़न बढ़ गए हैं, तो जवाब आएगा नहीं। अगर आप हां कहते हैं तो सोने से दलितों पर अत्याचार के विषय पर लोकसभा में नियम 193 के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के 70 वर्ष गुजर गए और इसके बाद भी हमें दलितों के उत्पीडऩ पर चर्चा करना मन में टीस और पीड़ा उत्पन्न करता है। वह भी ऐसे देश में जहां बसुवैध कुटुंबकम का दर्शन हो, वहां आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पीछे रह गए लोगों का उत्पीडऩ अत्यंत पीड़ादायक है।

उन्होंने कहा कि दलितों का उत्पीडऩ एक विकृत मानसिकता का परिचायक है और हमें इस विकृत मानसिकता को खत्म करना है। देश के विकास के लिए जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद को खत्म करने की जरूरत है। राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश कई अनेक राज्यों में दलितों के उत्पीडऩ की घटनाएं सामने आई हैं। वह इनसे किसी राजनीतिक दल को नहीं जोडऩा चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब यह भ्रम पैदा किया जा रहा है कि भाजपा सरकार के आने पर दलितों के उत्पीड़न के मामले बढ़े हैं। यह गलत है। आप कोई भी बात सरकार के आंकड़ों या किसी अंतर्राष्टीय एजैंसी के आंकड़ों के आधार पर कह सकते हैं। सरकार के आंकड़े सामने हैं। आपके (कांग्रेस) पास कोई अंतर्राष्टीय आंकड़े हैं तो पेश करें। प्रमाण दीजिए।''

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री ने कहा '' आपने 55 वर्षों तक देश पर राज किया। आप जो इतने वर्षो में नहीं कर सके, वह हमने दो वर्षों में कर दिखाया।'' उन्होंने कहा कि अगर इतने वर्षों में दलितों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास की चिंता की गई होती तब आज ऐसी घटनाएं नहीं होती। उन्होंने कहा कि रामायण और महाभारत को भी रचने वाले महर्षि वाल्मीकि और वेद व्यास ने की, वो भी दलित ही थे।

संत रविदास के एक पौराणिक प्रसंग की चर्चा करते हुए राजनाथ ने कहा कि एक राजा ने उन्हें कहा कि आपकी पूरी झोपड़ी सोने से भर दूंगा और इसके अलावा अलग से सोना भी दूंगा, इस पर संत रविदास ने कहा कि मुझे तो सिर्फ रामधन ही चाहिए, आपके सोने से मेरा रामधन भी चला जाएगा, ऐसे महान लोगों की है हमारी धरती गृहमंत्री के जवाब के दौरान कांग्रेस एवं वामदलों ने सदन से वाकआउट किया।

50 रुपए में बिक रहा गधी का एक चम्मच दूध

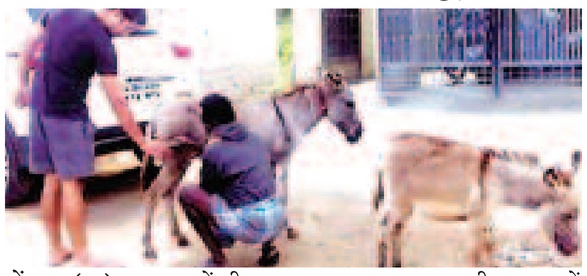

बेंगलूर (ए.)। जब बच्चों की बात आती है, तो लोग कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहते हैं। बेंगलूर में लोग गधी का दूध बिना किसी मोल-भाव के खरीदने को तैयार हैं। यहां लोग गधी के एक चम्मच दूध के लिए 50 रुपए तक चुका रहे हैं। कृष्णप्पा कोलार से हैं और उनका फुलटाइम व्यवसाय गधी का दूध बेचना है। लक्ष्मी दूध नहीं बल्कि पैसा दोहने की मशीन कही जा सकती है। ऐसा माना जाता है कि गधी का दूध नवजातों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है जिससे कई बीमारियों से लडऩे में उन्हें मदद मिलती है।

कीमत इतनी अधिक क्यों?

दरअसल, यह माना जाता है कि गधी का दूध नवजातों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है, जिससे बच्चों की बीमारियों से लड़ने की ताकत काफी बढ़ जाती है। यही कारण है कि माएं अपने नवजात बच्चों के लिए गधी का दूध खरीदती हैं। गधी के दूध की मांग इतनी अधिक हो गई है कि लोग बिना मोल-भाव के महज चम्मच भर दूध ही 50 रुपए में बिक रहा है।

कृष्णप्पा अपनी गधी लक्ष्मी को लेकर गलियों से गुजरता है और कन्नड में जोर-जोर से चिल्लाता है- गधी का दूध ले लो... अस्थमा, ठंड, खांसी से राहत दिलाने में फायदेमंद। बच्चों की सेहत के लिए भी फायदेमंद। जैसे-जैसे वह गलियों से गुजरता है, वहां रहने वाली माएं अपने नवजात बच्चों की अच्छी सेहत के लिए गधी का दूध मोटे दाम पर खरीदती हैं।

विशेषज्ञ भी मानते हैं गधी के दूध के फायदे

ऐसा नहीं है कि गधी का दूध फायदेमंद होता है यह सिर्फ लोगों का मानना है, बल्कि कई विशेषज्ञ भी इसके पौष्टिक गुणों पर भरोसा करते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस में डेयरी साइंस के विशेष अधिकारी जयप्रकाश एचएम के अनुसार गधी का दूध किसी नवजात बच्चे के लिए मां के दूध जितना फायदेमंद होता है।

महिंद्रा ट्रक ऐंड बस डिविजन और नैचुरल हैबिटैट प्रिजर्वेशन सेंटर ने अपना सड़क सुरक्षा अभियान HaveaSafeJourney शुरू किया

नई दिल्ली, : महिंद्रा ट्रक ऐंड बस डिविजन और नैचुरल हैबिटैट ने संयुक्त रूप से आज घोषणा की कि यह राष्ट्रीय जागरूकता अभियान रुभ्अमैंमिश्रवनतदमल ;रुभ्श्रद्ध के जरिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को इसके महत्वाकांक्षी सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में सहयोग देगा। यह अभियान १५ अगस्त से १५ अक्टूबर, २०१६ के बीच लाइव होगा।रुभ्श्र अभियान के तत्वावधान में, सड़क सुरक्षा समस्याओं से जुड़ी सर्वश्रेष्ठ ३० लघु कहानियों के लिए प्रतियोगिता होगी, जिसे अगले वर्ष के आरंभ में एक पुस्तक के रूप में लाया जायेगा। रुभ्श्र इस दृढ़ विश्वास से पैदा हुआ है कि साहित्य, जागरूकता फैलाने के लिए लोगों के साथ विशेषकर युवा पीढ़ी के साथ जुड़ने के प्रभावी माध्यम का काम कर सकता है। सड़क सुरक्षा मानदंडों के प्रति लापरवाही और अगंभीर रवैये के बारे में कहानियां लिखकर लगभग हर किसी के दिल को छू सकता है। यह सड़क सुरक्षा मुद्दों पर लिखी गई लघु कहानियों का दुनिया का पहला संग्रह होगा। इस स्वतंत्रता दिवस, रुभ्श्र सड़क दुर्घटनाओं से आजादी दिलाने का प्रयास करेगा। इस अवसर पर, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निदेशक - सड़क सुरक्षा, श्री राजीव लोचन ने वर्ष २०२० तक देश में सड़क दुर्घटनाओं को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के प्रति सरकार की वचनबद्धता को दोहराया। ''हर सड़क दुर्घटना प्रभावित परिवारों के लिए भारी कहर बनकर टूटती है, इसके अलावा संपूर्ण रूप से देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालती है। इस प्रकार, सरकार जागरूकता पैदा करने के लिए नित नये तरीकों के जरिए दुर्घटनाओं को कम करने के प्रति समर्पित है। रुभ्श्र उस दिशा में एक आशाजनक कदम है। मैं इस अनूठी पहल के लिए सहयोग करने हेतु महिंद्रा ट्रक्स ऐंड बसेज और एनएचपी सेंटर को बधाई देता हूं और इसके सफलता की कामना करता हूं।